चुनौतियों को आगे बढ़कर स्वीकार करें छात्र : उपराष्ट्रपति

दीप प्रज्वलित कर दीक्षांत समारोह की शुरुआत करते उपराष्ट्रपति व मौजूद संस्थान के अधिकारी।

ग्रेटर नोएडा, 11 अप्रैल (ब्यूरो) : ग्रेटर नोएडा स्थित बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नॉलोजी के 30वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के लिए देश के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू बुधवार को ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो सेंटर एण्ड मार्ट पहुंचे। यहां उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। कार्यक्रम में 423 छात्र एवं छात्राओं को स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी छात्र रिटेल बिजनेश, इंटरनेशनल बिजनेश, मार्केटिंग तथा अन्य विभागों से संबंधित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री के मूलमंत्र रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म का जिक्र करते हुए कहा कि इन तीनों का सही सामंजस्य आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संसाधनों के हिसाब से भारत समृद्ध एवं सम्पन्न देश है। हमें अपनी क्षमताओं को बढ़ाकर संसाधनों का और बेहतर उपयोग करना होगा। युवाओं को समय-समय पर अपनी क्षमताओं का प्रसार करना होगा। इसी से उन्हें कॉरपोरेट एवं वैश्विक जगत में सफलता दिलाएगा।

उन्होंने छात्रों से कहा कि आगे बढ़ने के लिए ऊर्जा का बने रहना आवश्यक है और इसके लिए सकारात्मकता को दिमाग में प्रमुखता से स्थान दें। उन्होंने भारत की प्राचीन संस्कृति और सभ्यता का जिक्र करते हुए कहा कि कभी नालंदा और तक्षशीला दुनिया के लिए शिक्षा के महत्त्वपूर्ण केंद्र हुआ करते थे जहां से दुनिया के बड़े-बड़े विद्वानों ने शिक्षा प्राप्त की।

उन्होंने स्किल इंडिया का जिक्र करते हुए कहा कि देश के छात्रों को नौकरी लेने वाले की अपेक्षा नौकरी देने वाला बनना चाहिए। शुरू में यह परेशानी भरा लगा लेकिन दीर्घकालीन अवधि में इसका बहुत लाभ है।

उन्होंने कहा कि बिना कठिन परिश्रम के सफलता प्राप्त नहीं होती। उन्होंने छात्रों को पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम से प्रेरणा लेने की बात कही। इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि मां, मातृभूमि और मातृभाषा के प्रति सभी नागरिकों को अपने कर्तव्यों का निर्वाह करना चाहिए।

उन्होंने छात्रों से कहा कि आप शिक्षा प्राप्त करने, व्यापार अथवा नौकरी के लिए देश-विदेश में कहीं भी जाएं, लेकिन मां, मातृभूमि और मातृभाषा के प्रति अपने कर्तव्यों को कभी न भूलें।

नोटबंदी ने बेडरूम से नोट निकालकर बैंक तक पहुंचाया

दीक्षांत समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत की प्रतिष्ठा विदेशों में बढ़ी है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभरती तीसरी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने सरकार द्वारा लिए गए कई निर्णयों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नोटबंदी से बेडरूम में बंद पड़े नोटों को बैंकों तक पहुंचाया जो अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन सका।

नवोदय , टाइम्स